www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 164 | जौनपुर गुरुवार, 29 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

शशि थरूर ने माकपा के प्रति अपने झुकाव पर साधी चुप्पी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को उन खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिनमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की ओर उनके झुकाव की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि नयी दिल्ली में हुई कांग्रेस की उच्च स्तरीय बैठक में उनकी अनुपस्थिति महज समय न मिल पाने की बात थी। नयी दिल्ली में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए थरूर ने कहा कि उनका इरादा अपने विचारों के बारे में पार्टी नेतृत्व से सीधे बात करने का है। उन्होंने कहा कि बुधवार से शुरू हो रहा संसद सत्र इन चर्चाओं के लिए बिल्कुल सही समय होगा। कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि उन्होंने पार्टी की रणनीतिक बैठक का बहिष्कार किया था। यह बैठक दिन में राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी की शीर्ष नेता सोनिया गांधी के आवास पर आयोजित की गई थी। थरूर के अनुसार, आमंत्रण इतनी देर से आया कि उनके पास अपने पूर्व के कार्यक्रम को बदलने का कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने बताया, मुझे रणनीतिक बैठक में एक–दो दिन पहले ही आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा, तब तक मैं दुबई से वापसी के लिए विमान का टिकट बुक करा चुका था। उन्होंने अटकलबाजी वाली खबरों के लिए मीडिया को भी दोषी ठहराया।

दालत ने तीन आरोपियों की न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ाई

नोएडा, (एजेंसी)। नोएडा सेक्टर–150 के पास बेसमेंट निर्माण के लिए खोदे गए गहरे गड्ढे में डूबकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत के मामले में मंगलवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने लोटस ग्रीन बिल्डर से जुड़े आरोपी रवि बंसल और सचिन करनवाल की न्यायिक हिरासत 29 जनवरी तक बढ़ा दी जबकि एमजेड विजटाउन बिल्डर कंपनी के निदेशक अभय कुमार की न्यायिक हिरासत दो फरवरी तक बढ़ाई। सहायक शासकीय अधिवक्ता संजीव त्रिपाठी ने बताया कि सुनवाई दोपहर करीब तीन बजे शुरू हुई। लोटस ग्रीन की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने दलील दी कि गिरफ्तार दोनों आरोपी कंपनी के निदेशक या निर्णय लेने वाले अधिकारी नहीं हैं, बल्कि वेतनभोगी कर्मचारी हैं। उनका कहना था कि बिना पूरी जांच के प्रशासनिक और पुलिस दबाव में गिरफ्तारी की गई और उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों का पालन नहीं हुआ। बचाव पक्ष ने अदालत को बताया कि कंपनी की ओर से लगभग 500 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है, जिसमें घटनास्थल से संबंधित तकनीकी विवरण, जीपीएस युक्त सैटेलाइट इमेज और पुराने रिकॉर्ड शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के निधन पर जताया गहरा शोक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (छब्) के अध्यक्ष अजीत पवार की आज सुबह पुणे जिले के बारामती में एक भीषण चार्टर्ड प्लेन क्रैश में मृत्यु हो गई। इस दुखद हादसे ने न केवल उनके परिवार और समर्थकों को, बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हृदयविदारक समाचार के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ग्श (पूर्व में ट्विटर) पर एक अत्यंत भावुक संदेश साझा करते हुए दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने अजीत पवार के व्यक्तित्व और महाराष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए लिखारू ष्श्री अजीत पवार जी लोगों के नेता थे, जिनका जमीनी स्तर पर मजबूत जुड़ाव था। महाराष्ट्र के लोगों की सेवा करने में सबसे आगे रहने वाले एक मेहनती व्यक्तित्व के तौर पर उनका बहुत सम्मान किया जाता था। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ और गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने का उनका जुनून भी काबिले तारीफ था। उनका असमय निधन बहुत चौंकाने वाला और दुखद है। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं। ओम शांति प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में विशेष रूप से अजीत पवार के श्प्रशासनिक कौशलश का उल्लेख किया। गौरतलब है कि अजीत पवार को महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसे नेता के रूप में देखा जाता था जिनकी फाइलों और सरकारी तंत्र पर जबरदस्त पकड़ थी। पीएम मोदी ने उनके श्गरीबों और वंचितों के प्रति जुनूनश को भी सराहा, जो बारामती और राज्य के अन्य हिस्सों में उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों में झलकता है। अजीत पवार के सम्मान में महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में राजकीय शोक की घोषणा की है। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए मुंबई लाया जा रहा है, जहाँ हजारों की संख्या में समर्थकों के जुटने की संभावना है। हादसे की खबर के बाद से ही बारामती में सन्नाटा पसरा हुआ है और बाजार स्वतः ही बंद हो गए हैं। पीएम मोदी का यह संदेश दर्शाता है।

राष्ट्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है : योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि समाज में सिर्फ वही लोग स्थायी पहचान बनाते हैं जो जन कल्याण की भावना से काम करते हैं, जबकि लालच से प्रेरित लोगों को कभी सम्मान से याद नहीं किया जाता। उन्होंने कहा, जन कल्याण ही अंततः राष्ट्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। आदित्यनाथ श्री भगवती प्रसाद कन्या महाविद्यालय इंटर कॉलेज के हीरक जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। संस्था के संस्थापक (दिवंगत) भगवती प्रसाद को याद करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि लगभग आठ दशक पहले उन्होंने लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के एकमात्र उद्देश्य से कॉलेज स्थापित करने के लिए तीन लाख चांदी के सिक्के दान किए थे। उन्होंने कहा, आज उस निस्वार्थ सोच के परिणाम हम सभी के सामने हैं। काम के पीछे की मंशा पर जोर देते हुए, आदित्यनाथ

ने कहा कि अच्छी मंशा हमेशा सकारात्मक परिणाम देती है। संस्था के संस्थापक (दिवंगत) भगवती प्रसाद को याद करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि लगभग आठ दशक पहले उन्होंने लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के एकमात्र उद्देश्य से कॉलेज स्थापित करने के लिए तीन लाख चांदी के सिक्के दान किए थे।

दादा के बिना महाराष्ट्र की राजनीति कुछ नहीं, भावुक संजय राउत

महाराष्ट्र, (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए इसे राज्य के लिए ष्काला दिनष बताया। अजीत पवार को लेकर जा रहा छोटा चार्टर विमान मुंबई से सुबह करीब 8 बजे उड़ान भरा और 45 मिनट बाद बारामती हवाई अड्डे

के पास लैंडिंग के प्रयास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संजय राउत ने अजीत पवार के कार्यों को याद किया और प्रशासन पर उनकी मजबूत पकड़ की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पवार कैबिनेट बैठकों में पूरी तैयारी के साथ आने वाले मंत्री के रूप में जाने जाते थे। राउत ने कहा कि आज महाराष्ट्र के लिए काला दिन है। जब मुझे उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को ले जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर मिली, तो मुझे उम्मीद थी कि वे सुरक्षित बच जाएंगे। लेकिन फिर मुझे दुखद खबर मिली। उनके निधन से महाराष्ट्र में शोक का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके बोलने, काम करने और प्रशासन संभालने का तरीका उनका बारामती से गहरा रिश्ता था। वे उद्धव ठाकरे के मंत्रिमंडल में मंत्री भी रह चुके थे। वे ऐसे मंत्री के रूप में जाने जाते थे जो पूरी तैयारी के साथ मंत्रिमंडल में आते थे। उन्होंने राज्य के महत्वपूर्ण मुद्दों, जैसे सिंचाई और जल, का गहन अध्ययन किया था। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने आगे कहा शिवसेना (यूबीटी) की ओर से उद्धव ठाकरे शोक व्यक्त करते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को लेकर राष्ट्रपति मुर्मू ने जताई आशा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच हाल ही में हुए महत्वपूर्ण समझौतों की सराहना करते हुए कहा कि ये भारत–ईयू रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे। राष्ट्रपति ने यह बात राष्ट्रपति भवन में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के सम्मान में आयोजित भोज में कही। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा इस वैश्विक अनिश्चितता के समय में हमारे विचार और दृष्टिकोण समान हैं। हमें विश्वास है कि वैश्विक चुनौतियों का समाधान केवल साझा प्रयासों से ही संभव है। इस दौरे के दौरान हुए समझौते, जैसे कि भारत–ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, सुरक्षा और रक्षा साझेदारी और मोबिलिटी सहयोग फ्रेमवर्क, हमारी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे। भारत–ईयू संबंधों का भविष्य उज्जवल है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत और ईयू लोकतंत्र, बहुलता और खुली अर्थव्यवस्था जैसी साझा मूल्यों से जुड़े हैं। राष्ट्रपति भवन ने अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) पोस्ट में लिखा कि ये समझौते लोगों और व्यवसायों के लिए सकारात्मक बदलाव लाएंगे। उधर, उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने दिल्ली में ईयू प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर भारत–ईयू फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर खुशी जताई। उप राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि नेताओं ने इस समझौते को भारत–ईयू रिश्तों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर करार दिया। दोनों पक्षों ने विश्वास जताया कि यह समझौता भारत और यूरोप के बीच साझेदारी को नई गति देगा और दोनों देशों के नागरिकों तथा व्यवसायों के लिए लाभकारी साबित होगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर यूरोपीय परिषद और आयोग के अध्यक्ष 25–27 जनवरी को भारत में 77वें गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में आए। दोनों नेताओं ने भारत–ईयू संयुक्त व्यापक रणनीतिक एजेंडा 2030 को अपनाया जिसमें पांच प्रमुख स्तंभ शामिल हैं–

अजित पवार को राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिनका आज सुबह विमान दुर्घटना में निधन हो गया। पवार के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष खर्गे ने कहा कि उन्हें एक अनुभवी राजनीतिज्ञ के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने ईमानदारी और सूझबूझ से काम किया खरगे ने ग पर लिखा कि विमान दुर्घटना में अजीत पवार के दुखद निधन की खबर बेहद चौंकाने वाली और बेहद दुखद है। यह एक ऐसे नेता का असामयिक देहांत है जिनका राजनीतिक करियर लंबा और उज्ज्वल था। इस कठिन घड़ी में शोक संतप्त परिवार जिस अपार दुःख से गुजर रहा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा कि मैं पूरे पवार परिवार, उनके समर्थकों और शुभचिंतकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। महाराष्ट्र की जनता की विभिन्न संवैधानिक पदों पर सेवा करने वाले अजीत पवार को एक अनुभवी राजनीतिज्ञ के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने अपनी जनता के प्रति अपने दायित्वों को ईमानदारी और सूझबूझ से निभाया। उनकी आत्मा को शांति मिले। राहुल गांधी ने आज सुबह मुंबई से बारामती जा रहे चार्टर्ड विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर अजीत पवार और चार अन्य लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया। लोकसभा सांसद ने लिखा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार जी और उनके सहयात्रियों के आज विमान दुर्घटना में निधन की खबर अत्यंत दुखद है। इस दुःख की घड़ी में मैं महाराष्ट्र की जनता के साथ खड़ा हूँ। इस दुख की घड़ी में मैं पूरे पवार परिवार और उनके प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ। इससे पहले आज, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कह कि मैं पूरे पवार परिवार और उनके समर्थकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूँ। मैंने अजीत पवार की पत्नी और सुप्रिया जी (सुप्रिया सुले) से बात की है। महाराष्ट्र कांग्रेस सांसद प्रणिति शिंदे ने इस खबर पर गहरा सदमा व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ष्यह खबर सुनकर विश्वास ही नहीं हो रहा। वे समय के पाबंद थे। उनकी व्यस्त जीवनशैली ने आज उनकी जान ले ली।

मप्र सरकार ने 4,000 मेगावाट बिजली के लिए निजी कंपनियों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश सरकार ने मंगलवार को राज्य में 60,000 करोड़ रुपये के निवेश से 4,000 मेगावाट बिजली उत्पादन और आपूर्ति के लिए तीन निजी बिजली कंपनियों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। 'मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी' के प्रबंध निदेशक विशेष गडपाले और 'टोरेंट पावर लिमिटेड' के जिगिश मेहता, 'अडानी पावर लिमिटेड' के एस बी ख्यालिया और 'हिंदुस्तान पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड' के रतुल पुरी के बीच समझौतों का आदान–प्रदान किया गया। भोपाल के समत्व भवन (मुख्यमंत्री आवास) में मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपस्थिति में बिजली आपूर्ति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिन्होंने समझौतों की सराहना करते हुए कहा कि वे राज्य के सतत विकास की नींव बनाएंगे। उन्होंने कहा, इससे मध्यप्रदेश में समग्र बिजली उपलब्धता बढ़ेगी और राज्य की बिजली की मांग को पूरा करने के लिए 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यादव ने कहा कि डिजाइन, निर्माण, वित्त,

स्वामित्व और संचालन (डीबीएफओओ) मॉडल पर स्थापित किए जाने वाले ये नए बिजली संयंत्र लगभग 8,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेंगे। यह संयंत्र अनूपपुर जिले में स्थापित किए होंगे। यादव ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य की उद्योग–अनुकूल नीतियों, मजबूत बुनियादी ढांचे और सुशासन के परिणामस्वरूप, मध्यप्रदेश भारत और विदेशों में निवेशकों और औद्योगिक समूहों के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बन रहा है।

ममता बनर्जी ने बंगाल चुनावों से पहले अशांति फैलाने के प्रयासों के खिलाफ चेतावनी दी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को चेतावनी दी कि आगामी चुनावों से पहले राज्य में अशांति फैलाने के प्रयास किए जा रहे हैं और उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और उकसावे में न आने की अपील की। किसी का नाम लिए बिना बनर्जी ने दावा किया कि कुछ ताकतें चुनावी लाभ के लिए राज्य में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। दक्षिण कोलकाता के सिरिटी में पुनर्निर्मित शवदाह गृह का डिजिटल

माध्यम से उद्घाटन करने और शहर के दक्षिणी भाग में ही वाटगंज के दोई घाट में एक नए शवदाह गृह की आधारशिला रखने के बाद वह राज्य सचिवालय में एक बैठक को संबोधित कर रही थीं। मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग चुनावी लाभ के लिए दंगे भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हमें एक साथ रहना है। यह बंगाल सबका है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि अगर किसी खास समुदाय के साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो सड़कें और रेल की पटरियां अवरुद्ध हो जाती हैं और वह नहीं चाहतीं कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि सभी लोग सद्भाव से एक साथ रहें। बंगाल की मुख्यमंत्री ने राज्य के औद्योगिक विकास पर भी प्रकाश डाला और कहा कि तेजी से विकास हुआ है। बनर्जी ने कहा, कितनी सारी चीजें विकसित हो चुकी हैं। इको पार्क, वैक्स म्यूजियम, छह आर्थिक गलियारे, कई विश्वविद्यालय और 43 मल्टी–सुपर–स्पेशियलिटी अस्पताल बन चुके हैं। हमारे पास कई कारखाने हैं। जब मैं हावड़ा से दुर्गापुर तक कार से जाती हूं तो मुझे कोई खाली जगह नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि स्थिर वातावरण के कारण उद्योग राज्य में बने हुए हैं। तृणमूल प्रमुख ने कहा, जो लोग व्यापार करते हैं वे नहीं जा रहे हैं। वे क्यों जाएंगे? यहां उद्योग स्थापित हो चुके हैं।

अजीत दादा के निधन पर फूट-फूट कर रोते दिखे युगेंद्र पवार

महाराष्ट्र, (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे ऊर्जावान और कद्दावर नेता, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार अब हमारे बीच नहीं रहे। बुधवार सुबह बारामती में हुए एक भीषण विमान हादसे में उनका असामयिक निधन हो गया। इस खबर ने न केवल महाराष्ट्र की सियासत को स्तब्ध कर दिया है, बल्कि पवार परिवार और करोड़ों समर्थकों के दिल तोड़ दिए हैं। अजीत पवार हमेशा की तरह अपने चिर–परिचित अंदाज में पहाटे (तड़के सुबह) मुंबई से बारामती के लिए रवाना हुए थे। उन्हें वहां विभिन्न कार्यक्रमों और जनसभाओं में हिस्सा लेना था। जब उनका चार्टर्ड विमान बारामती एयरपोर्ट पर लैंड करने की कोशिश कर रहा था, तभी तकनीकी खराबी के कारण वह पास के एक खेत में जा गिरा। विमान जमीन से इतनी जोर से टकराया कि उसमें तुरंत आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में अजीत पवार का मौके पर ही निधन हो गया। अजीत पवार के निधन की खबर जैसे ही उनके निवास और परिवार तक पहुँची, वहां सन्नाटा पसर गया। यह पवार परिवार के लिए अब तक का सबसे बड़ा और गहरा घाव है। खबर सामने आने के बाद, उनके भतीजे को फोन पर बात करते हुए रोते हुए देखा गया। छब्–ैच नेता और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री, अनिल देशमुख, डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन की खबर सुनकर मीडिया के सामने टूट गए और उनके पास शब्द नहीं थे। बारामती का हर नागरिक आज खुद को अनाथ महसूस कर रहा है। पवार परिवार के अन्य सदस्य भी इस सदमे से उबर नहीं पा रहे हैं। अजीत पवार केवल एक नेता नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के प्रशासन की श्रफ्तारश थे। सुबह जल्दी काम शुरू करने की उनकी कार्यशैली और बेबाक निर्णय लेने की क्षमता उन्हें दूसरों से अलग बनाती थी। महाराष्ट्र की राजनीति के दो अलग किनारों पर होने के बावजूद, शिवसेना (न्ठज) के सांसद संजय राउत ने अजीत पवार के निधन पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उन्हें राज्य का श्सबसे मजबूत स्तंभश बताया। राउत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि श्अजीत दादाश के बिना महाराष्ट्र का राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य अब श्बेचव और अळणीश (फीका और बेस्वाद) हो गया है। राउत ने बताया कि जैसे ही बारामती में विमान दुर्घटना की खबर आई, वे और उनका पूरा दल दादा के सकुशल होने की प्रार्थना कर रहा था। उन्होंने कहा, ष्हमें लगा था।

संपादकीय

साम्प्रदायिकता की आंच में तपती देवभूमि

हमारा देश जब लोकतंत्र की स्थापना के 78वें वर्ष की ओर कदम बढ़ा रहा था, तब देवभूमि कहे जाने वाले उसके ही एक प्रान्त में एक सदी से भी ज्यादा पुरानी विरासत पर भद्दी गालियों, जय श्रीराम और बजरंग बली की जय जैसे आक्रामक नारों के साथ हथौड़े और सब्बल चलाये जा रहे थे, वहां रखे धार्मिक ग्रंथों को नुकसान पहुंचाया जा रहा था और धार्मिक उन्माद फैलाने की कोशिश की जा रही थी। दरअसल, मसूरी के एक मिशनरी स्कूल की निजी जमीन पर स्थित बाबा बुल्ले शाह की मजार बहुसंख्यक गुंडागर्दी की बलि चढ़ गई। उसके साथ मौजूद दो अन्य मजारों को भी तोड़ दिया गया, वहीं दानपेटी को तोड़कर नकदी निकाल ली गई। भाईचारे और सौहार्द्र का प्रतीक रही बुल्ले शाह की मजार के परिसर में रविवार की शाम मुट्ठी भर हिन्दूवादी जूते पहनकर घुस गये और अपने घटिया इरादों को अंजाम दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। मसूरी पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों सहित 25–30 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस बीच हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष भूपेंद्र उर्फ पिंकी चौधरी ने अपने संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा इस तोडफोड़ की जिम्मेदारी ली है। पुलिस कब और कैसे इस दावे का संज्ञान लेती है, देखना होगा। हालांकि इस पूरे प्रकरण में राहत की बात ये रही कि पुलिस में शिकायत करने जाने वालों में केवल मुस्लिम संगठन ही नहीं, दूसरे समुदायों के लोग भी शामिल थे।बाबा बुल्ले शाह– जिन्हें बुल्लेया कहकर भी संबोधित किया जाता है, एक क्रांतिकारी दार्शनिक, समाज सुधारक और कवि थे, जिन्हें पंजाबी भाषा के महानतम कवियों में से एक माना जाता है और जिनका सम्मान श्पंजाबी ज्ञानोदय के जनकश के रूप में है। उनका असल नाम सैयद अब्दुल्लाह शाह कादरी था और उन्हें हजरत मुहम्मद साहब की पुत्री फातिमा का वंशज माना जाता है। उनके पिता शाह मुहम्मद थे जिन्हें अरबी, फारसी और कुरान शरीफ का अच्छा ज्ञान था। पिता के नेक जीवन का प्रभाव बुल्ले शाह पर भी पड़ा और शायद इसीलिए श्सैयदश यानी ऊंची जाति से होते हुए भी उन्होंने निचली जाति श्आराइनश के शाह इनायत को अपना गुरु बनाया। हिन्दी और पंजाबी में अनगिनत गीत बुल्ले शाह की रचनाओं पर आधारित हैं या उनमें बुल्ले शाह का हवाला है। 1970 के दशक में नरेंद्र चंचल का गाया गीत– श्बेशक मंदिर–मस्जिद तोड़ो, बुल्ले शाह ये कहता ६ पर प्यार भरा दिल कभी न तोड़ो, जिस दिल में दिलबर रहताश हरेक किशोर और युवा की जबान पर हुआ करता था। लगभग दो दशक पहले मशहूर पंजाबी गायक रब्बी शेरगिल ने श्बुल्ला की जाणा मैं कौनश गाकर तारीफें हासिल की तो करीब एक दशक पहले रणबीर कपूर पर फिल्माया गया श्यार बुल्लेयाश गीत भी काफी लोकप्रिय हुआ। श्दमादम मस्त कलंदरश तो बाबा बुल्ले शाह की सदाबहार रचना है ही।लेकिन धर्म का इकहरा और बेसुरा राग अलापने वाले जाहिल क्या जानें कि कविता क्या होती है और उसे संगीत में पिरोना क्या होता है, बुल्ले शाह की रचनाओं और उनके दर्शन को समझना तो बहुत दूर की बात है। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि बुल्ले शाह की मजार पर हमला सुनियोजित ढंग से किया गया हो। ताज्जुब है कि एक हिन्दूवादी संगठन खुलकर इस हमले की जिम्मेदारी ले रहा है, लेकिन उसकी भनक तक पुलिस को नहीं लगी।

थाने में पत्रकार, कटघरे में पत्रकारिता

जम्मू–कश्मीर में साइबर पुलिस की ओर से पत्रकारों को तलब किए जाने पर और उनसे हलफनामे पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव बनाने के आरोपों पर प्रेस की आजादी का सवाल नए सिर से खड़ा हो गया है। पिछले हफ्ते जम्मू–कश्मीर में पुलिस ने मस्जिदों की प्रबंधन समितियों के सदस्यों और उनके परिवारों की सभी निजी जानकारियां इकठ्ठा करने का अभियान शुरू किया था। कई बड़े अखबारों के इस खबर को छापने पर श्रीनगर में मौजूद उनके संवाददाताओं को साइबर पुलिस ने तलब किया। इसी सिलसिले में इंडियन एक्सप्रेस और हिंदुस्तान टाइम्स के पत्रकारों के साथ किया गया सलूक अब विवाद का कारण बन गया है। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक पिछले 20 सालों से उनके संपादक रहे बशारत मसूद ने श्रीनगर के साइबर पुलिस थाने में चार दिनों में 15 घंटे बिताए और उनसे एक बॉण्ड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया कि वह शांति भंग करने वाला कोई काम नहीं करेंगे। हालांकि बशारत मसूद ने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। वहीं हिंदुस्तान टाइम्स ने अपनी खबर में कहा कि उसके संवाददाता आशिक हुसैन को भी मौखिक समन मिला था, लेकिन अखबार ने जवाब देने के लिए श्कारण सहितश लिखित समन की मांग की।इस मामले पर एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने पत्रकारों की स्वतंत्रता और सुरक्षा का सवाल उठाते हुए एक बयान जारी कर कहा है कि, श्पत्रकारों को मनमाने ढंग से तलब करना, पुलिस की ओर से पूछताछ करना और दबाव में हलफनामे लेने की कोशिश करना, मीडिया को उसके वैध कर्तव्यों के निर्वहन से रोकने के लिए किया गया जबरदस्ती और डराने–धमकाने जैसा कदम है।श एडिटर्स गिल्ड ने पुलिस और अधिकारियों से ऐसी कार्रवाइयां नहीं करने की अपील की है, जो अभिव्यक्ति की आजादी को सीमित करती हैं और मीडिया को उसके मूल कामकाज से रोकती हैं। वहीं डिजीटल मीडिया के संगठन डिजीपब न्यूज इंडिया फाउंडेशन ने इसे श्पत्रकारों का उत्पीड़नश बताया है। डिजीपब के बयान में कहा गया, श्पत्रकारों को तलब करने के ठोस कारण नहीं बताए गए। हफ्तों तक उन्हें अलग–अलग अधिकारियों के पास भेजा जाता रहा, लेकिन बार–बार पूछने के बावजूद किसी कथित अपराध की जानकारी नहीं दी गई। जनहित के लिए की जाने वाली ऐसी पत्रकारिता को अपराध की तरह पेश करना और बिना कधनूनी प्रक्रिया के श्पत्रकारों को बॉन्ड पर हस्ताक्षर के लिए मजबूर करना प्रेस की आजादी पर गंभीर हमलाश है। बयान में यह भी कहा कि साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से श्जम्मू–कश्मीर में प्रेस की आजादी लगातार कमजोर हुईश है।इन दोनों महत्वपूर्ण संगठनों के बयानों से जाहिर होता है कि प्रेस की आजादी को लेकर वे चिंतित हैं, लेकिन पिछले 12 सालों में पत्रकार उत्पीड़न की यह न पहली घटना है और न इसे आखिरी माना जा सकता है। बल्कि अब जो हालात बने हैं, उसमें स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए जगह सिमटती जा रही है। इन दोनों संगठनों को अगर पत्रकारों और पत्रकारिता की हालत दुरुस्त करनी है, तो सरकार से केवल अपील करके काम नहीं चलेगा, इसके लिए दीर्घकालिक योजना बनाने और पत्रकारों को एकजुट करने की भी जरूरत है।मौजूदा माहौल में पत्रकार भी दो खेमे में बंटे हुए हैं। एक तबका वह है जो दीपावली और नए साल के मौकों पर सत्ता से तोहफे लेकर खुश है। यह तबका खुद को राष्ट्रवादी मानकर सरकार की आलोचना को पाप समझता है और लगातार उन्हीं मुद्दों पर खबरें बनाता है, विमर्श करता है, जिससे सरकार को फायदा पहुंचे। दूसरी तरफ वो पत्रकार हैं, जो सारे जोखिम उठाकर सत्ता पर बैठे लोगों से ऐसे सवाल पूछते हैं, जिनसे सत्ताधारियों को असुविधा होती है। इन पत्रकारों को घंटा देख कर आए हो, जैसे जवाब सुनने पड़ते हैं। इसके बाद भी कुछ आवाजें तो पत्रकार के समर्थन में उठती हैं, लेकिन बाकी फौरन लीपापोती में जुट जाते हैं।जम्मू–कश्मीर में ही 2019 के बाद फहाद शाह के अखबार कश्मीरवाला को बंद कर दिया गया और उन्हें सेंट्रल जेल भेजा गया, जहां 21 महीने बाद उन्हें जमानत मिली। पिछले साल नवंबर में जम्मू में श्कश्मीर टाइम्सश के दफ्तर पर छापा मारा गया और पुलिस ने दावा किया कि वहां हथियार मिले हैं।

आदर्शवादी नहीं पर निर्णायक थे अजित पवार

नीरज

महाराष्ट्र की राजनीति को आज तब गहरा आघात लगा जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे की खबर फैलते ही राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। देखा जाये तो अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी जमीन से नाता नहीं तोड़ा। वह भले ही कभी मुख्यमंत्री न बने हों, लेकिन राज्य में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने का इतिहास उनके नाम दर्ज है। छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने वाले अजित पवार ने अलग–अलग सरकारों में अपनी प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखा। बारामती में अजित पवार की राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण उनका काम खुद था। वह उन गिने चुने नेताओं में थे जिनके लिए अपना खुद का चुनाव प्रचार एक औपचारिकता भर था। विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद बारामती की गलियों में शायद ही कभी उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चिंत रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती। अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी–एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया। दोनों पक्षों का विवाद अदालत के दरवाजे तक पहुँचा लेकिन हाल के दिनों में पवार परिवार एकजुट नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उतार कर पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों में तीखापन ला दिया था, लेकिन समय के साथ उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वह फैसला एक भूल था। राजनीति के उस कठोर दौर के बाद हालिया निकाय चुनावों में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया, वह उनके व्यक्तित्व का दूसरा और अधिक मानवीय पक्ष सामने लाता है। शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी। देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए कि उन्होंने परिवार से सुलह कर ली, टूटे रिश्तों को जोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को यह संकेत दे दिया कि टकराव नहीं, संवाद ही आगे का रास्ता है। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अजित पवार ने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे जैसे मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया। गठबंधनों के बदलते दौर में भी अपनी उपयोगिता और असर बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी रही। अजित पवार चूंकि केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ एनडीए के प्रमुख घटक थे इसलिए उनका निधन बड़ा राजनीतिक नुकसान भी है। देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचैनी ने उन्हें बार–बार जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया। 2023 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंने अचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई, अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया। बाद में चुनाव आयोग का फैसला उनके पक्ष में जाना इस बात का संकेत था कि राजनीति में साहस कई बार वैधता भी दिला देता है। अजित पवार की राजनीति नैतिकता के आदर्शों की किताब से कम और यथार्थ की जमीन से ज्यादा निकली थी। यही कारण है कि वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे और समर्थकों के भरोसे का केंद्र भी बने। वह जानते थे कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन प्रभाव बनाया जा सकता है। उन्होंने वही किया। विभिन्न लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मैंने खुद देखा कि वह समर्थकों और कार्यकर्ताओं के कितने करीब रहते हैं और सबकी बातें ध्यान से सुनते हैं। यही कारण था कि बारामती में खासतौर पर अजित दादा के नाम का बोलबाला हर जगह देखने को मिलता है। आज जब उनका जाना अचानक और असमय हुआ है, महाराष्ट्र की राजनीति एक खालीपन महसूस कर रही है। यह खालीपन सिर्फ पद का नहीं, उस अनुभव का है जो दशकों में गढ़ा जाता है। आने वाले समय में यह सवाल और तीखा होगा कि क्या कोई नेता सहकार से सत्ता तक के इस रास्ते को फिर उसी धार और दृढ़ता से तय कर पाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अजित पवार की विरासत विरोधाभासों से भरी रही, लेकिन शायद यही उनकी सच्ची पहचान भी है। वह सरल नहीं थे, पर प्रभावशाली थे। वह आदर्शवादी नहीं थे, पर निर्णायक थे। और इसी वजह से महाराष्ट्र की राजनीति में उनका नाम लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

कनाडा के प्रधानमंत्री की स्वदेशी अपनाने की अपील का संदेश

अशोक

कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने देश के नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की है। ट्रंप प्रशासन द्वारा कनाडाई उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी को देखते हुए ये अपील की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह चीन के साथ व्यापार समझौता करता है तो वह कनाड़ा पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप की इस चेतावनी के बाद एक वीडियो संदेश में कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि श्कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी दबाव है। ऐसे में कनाडा के लोगों के पास यही रास्ता है कि वो ही सामान खरीदें, जो कनाडा में बने हों। दूसरे देश क्या करते हैं, हम उसे नियंत्रित नहीं कर सकते। जो हमारे नियंत्रण में है उसपर फोकस करें। हम ही कनाडा के सबसे अच्छे ग्राहक हैं और हमें कनाडा में बने उत्पाद खरीदने चाहिए ताकि देश को मजबूत बनाया जा सके। अमेरिका और कनाडा दोनों देशों के बीच ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद तल्खी तब और बढ़ गई जब ट्रंप ने कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही, हालांकि पिछले साल कार्नी ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि कनाडा बिकाऊ नहीं है। आज जो हालात कनाडा के साथ हैं, वही दुनिया के कई अन्य देशों के साथ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कभी भारत तो धमकी देते हैं तो कभी चीन को। ग्रीनलैंड का समर्थन करने वाले देशों को भी इस तरह की उनकी हाल में धमकी आई है। इस तरह की धमकी एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है। बड़ी शक्तियों छोटी शक्ति और देशों को दबाकर रखना चाहती हैं। वे छोटे और सम्प्रभू देशों को अपना गुलाम बनाकर रखना पसंद करती है। अपने पर निर्भर बनाए रखना चाहती है। इस तरह के आसन्न खतरे को भारत ने पहले ही भांप लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी समय से स्वदेशी अपनाने पर वैसे ही नही जोर दे रहे। भारत में स्वदेशी का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी राष्ट्रीय चेतना का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विचार को आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से नया आयाम दिया है। वोकल फॉर लोकल का नारा देते हुए उन्होंने देशवासियों से भारतीय उत्पादों को अपनाने और उन्हें वैश्विक बनाने का आह्वान किया है। यह दृष्टिकोण केवल आर्थिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव और आत्मसम्मान से भी जुड़ा हुआ है। जब हम अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं, तो हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम होगी। उनका हम पर दबाव कम होगा। स्वदेशी की अवधारणा को समझने के लिए हमें महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन को याद करना होगा। गांधीजी ने स्वदेशी को केवल आर्थिक रणनीति के रूप में नहीं देखा था, बल्कि इसे स्वराज और आत्मनिर्भरता के व्यापक दर्शन का हिस्सा माना था। उनका मानना था कि जब तक हम आर्थिक रूप से परतंत्र रहेंगे, तब तक वास्तविक स्वतंत्रता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और चरखे से बने खादी को अपनाने पर जोर दिया। गांधीजी के लिए चरखा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं था, बल्कि यह आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक था। दरअसल अंग्रेजों के शासन से पहले जरूरत का सारा सामान हमारे यहां गांवदृगांव और आसपास में पैदा होता हैं। जरूरत का काफी सामान हम अपने घर तैयार कर लेते थे। अंग्रेजों ने इस व्यवस्था को बड़े.बड़े उद्योग लगाकर खत्म कर दिया। महात्मा गांधी ने स्वदेशी का महत्व समझा। उनका स्वदेशी आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हथियार बना। उन्होंने लोगों को समझाया कि जब हम विदेशी वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो हम न केवल अपने देश की संपत्ति को बाहर भेज रहे हैं, बल्कि अपने कारीगरों और श्रमिकों को भी बेरोजगार कर रहे हैं। उनका मानना था कि प्रत्येक भारतीय को अपने गांव और अपने देश में बनी वस्तुओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह विचार इतना प्रभावशाली था कि लाखों भारतीयों ने विदेशी कपड़ों की होली जलाई और खादी को अपनाया। यह आंदोलन केवल आर्थिक नहीं था, बल्कि इसने राष्ट्रीय चेतना को जगाने और लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज की वैश्वीकृत दुनिया में स्वदेशी की अवधारणा नए अर्थ और महत्व प्राप्त कर रही है। कनाडा पर ट्रंप की टैरिफ धमकी यह दर्शाती है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार कितना अनिश्चित और राजनीतिक रूप से प्रभावित हो सकता है। जब कोई देश किसी दूसरे देश पर आर्थिक दबाव बनाना चाहता है, तो व्यापार शुल्क एक प्रमुख हथियार बन जाता है। ऐसी स्थिति में जो देश अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत रखते हैं, वे बेहतर तरीके से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। यही कारण है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने नागरिकों से देश में बने उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया है। भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी कदम है। इस अभियान का उद्देश्य केवल आयात को कम करना नहीं है, बल्कि भारत को विनिर्माण, नवाचार और तकनीकी विकास का एक वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार–बार कहा है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय और मजबूत भागीदार बनना है। जब भारतीय उत्पाद गुणवत्ता और नवाचार में उत्कृष्ट होंगे, तो वे न केवल घरेलू बाजार में सफल होंगे बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी जगह बनाएंगे। स्वदेशी को अपनाने का अर्थ यह नहीं है कि हम अंतरराष्ट्रीय व्यापार या वैश्वीकरण के खिलाफ हैं। बल्कि यह एक संतुलित दृष्टिकोण है जो घरेलू उद्योगों को मजबूत करते हुए वैश्विक बाजार में भागीदारी को भी बढ़ावा देता है। जब हमारे उद्योग मजबूत होंगे, तो हम बेहतर शर्तों पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भाग ले सकेंगे। यही कारण है कि भारत मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से घरेलू उत्पादन और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है।

प्रधानमंत्री के केरल दौरे से भाजपा को ज़्यादा राजनीतिक फायदा नहीं हुआ

पी. श्रीकुमारन

कोई बड़ा ऐलान करने के बजाय, प्रधानमंत्री ने इस मौके का इस्तेमाल एक राजनीतिक भाषण देने के लिए किया, जिसमें उन्होंने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) दोनों पर हमला बोला। मोदी ने कहा कि अब समय आ गया है कि उन दोनों मोर्चों को हटा दिया जाए जिन्होंने खराब प्रशासन, कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार से राज्य को बर्बाद कर दिया है।वह आए, उन्होंने देखा, और वह वापस चले गए। मोटे तौर पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के संक्षिप्त दौरे का यही सार है। यह दौरा भाजपा के केरल नेतृत्व द्वारा जताई गई बड़ी उम्मीदों से बहुत कम रहा। मोदी आएंगे और केरल के फायदे के लिए बड़े ऐलान करेंगे, जिसमें तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन के लिए एक विकास योजना भी शामिल है, जहां पहली बार भाजपा का मेयर है। केरल में भाजपा के शीर्ष नेताओं की यही बड़ी–बड़ी बातें थीं।ऐसा कुछ नहीं हुआ। राज्य के लिए बहुप्रतीक्षित एम्स पर कोई ऐलान नहीं हुआ। प्रधानमंत्री हाई–स्पीड रेल प्रोजेक्ट पर भी चुप रहे। केंद्र सरकार पर केरल के 5,738 करोड़ रुपये के बकाए पर भी चुप्पी साध ली गई, जो बहुत ज्यादा थी। संक्षेप में कहें तो, यह दौरा राज्य की जनता के लिए निराशाजनक रहा। कोई बड़ा ऐलान करने के बजाय, प्रधानमंत्री ने इस मौके का इस्तेमाल एक राजनीतिक भाषण देने के लिए किया, जिसमें उन्होंने वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) दोनों पर हमला बोला। मोदी ने कहा कि अब समय आ गया है कि उन दोनों मोर्चों को हटा दिया जाए जिन्होंने खराब प्रशासन, कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार से राज्य को बर्बाद कर दिया है। केरल को अब तेज विकास के लिए डबल–इंजन सरकार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सबरीमाला– एक बयान जो तथ्यात्मक रूप से गलत है – अयप्पा मंदिर में एलडीएफ सरकार के तहत सोने की चोरी हुई थी। श्यह मोदी की गारंटी है कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो इसमें शामिल लोगों को पकड़ा जाएगा और सजा दी जाएगी।श मोदी ने कांग्रेस की भी आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस अब राष्ट्रीय स्तर पर मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस के नाम से जानी जाती है, और वह केरल में श्अलगाववादी ताकतोंश के साथ गठबंधन कर रही है।यह भाषण उनके ही पिछले बयानों के खिलाफ है कि विकास के मामले में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। इसका मतलब यह था कि गैर–भाजपा सरकारों को केंद्र से किसी भी बड़ी मदद की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। यह सहकारी संघवाद की अवधारणा के खिलाफ है जबकि भाजपा नेता दिन–रात सहकारी संघवाद का ढोल पीटते रहते हैं। केरल के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए एक छोटा भाषण दिया। उन्होंने इस मौके पर घोषित किए गए चार परियोजनाओं के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री केरल की श्असली मांगोंश को भी हरी झंडी देंगे। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री के साथ विनम्रता से बात की। लेकिन बाद में हुई पार्टी मीटिंग में, उन्होंने पिनाराई के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार की कड़ी आलोचना की।अपनी तरफ से, माकपा के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने कहा कि प्रधानमंत्री का दौरा निराशाजनक था। उन्होंने राज्य की किसी भी पुरानी मांग को मानने की परवाह नहीं की। संक्षेप में, यह दौरा एक बड़ी निराशा थी। केरल के जायज अधिकारों पर प्रधानमंत्री या भाजपा नेतृत्व की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। कुल 5783.69 करोड़ रुपये की बकाया राशि लंबे समय से लंबित है। प्रधानमंत्री ने इसका कोई जिक्र नहीं किया। केरल अभी भी उस सौतेले व्यवहार को याद करता है जो राज्य के साथ तब किया गया था जब वायनाड में राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदाओं में से एक आई थी। तब प्रधानमंत्री वायनाड गए थे, कुछ दिलासा देने वाले शब्द कहे थे। बस इतना ही। कोई खास वित्तीय सहायता की घोषणा नहीं की गई। यह उस तेजी के बिल्कुल उलट था जिससे भाजपा शासित त्रिपुरा और आंध्रप्रदेश को प्राकृतिक आपदाओं के समय कम समय में करोड़ों रुपये दिए गए थे। केरल को विदेशी देशों से फंड प्राप्त करने से मना कर दिया गया था। लेकिन यह नियम भाजपा शासित महाराष्ट्र पर लागू नहीं था, जिसे बड़े पैमाने पर विदेशी सहायता मिली।मोदी का दौरा भी विवादों से घिरा रहा। उन गणमान्य व्यक्तियों की सूची में, जिन्हें प्रधानमंत्री का स्वागत करना था, तिरुवनंतपुरम के मेयर वी. वी. राजेश का नाम नहीं था। उनका नाम किसने हटाया? यह साफ नहीं है। लेकिन अंदाजा है कि राजेश भाजपा की केरल इकाई में फैली गुटबाजी का शिकार हो गए। एलडीएफ सरकार ने प्रधानमंत्री का स्वागत करने वाले 22 गणमान्य व्यक्तियों की सूची में राजेश को शामिल किया था। राजेश के साथ हुए अपमान में प्रधानमंत्री कार्यालय की भी कोई भूमिका नहीं है। सूत्रों के अनुसार, यह केरल के शीर्ष भाजपा नेताओं का काम है जो राजेश को मेयर चुने जाने से खुश नहीं थे। उन्होंने पूर्व केरल डीजीपी श्रीलेखा को मेयर बनाने के लिए लॉबिंग की थी। कारण जो भी हो, इस घटना ने कड़वाहट की एक लकीर छोड़ दी है जो भाजपा की केरल इकाई के भीतर गुटबाजी को और गहरा कर सकती है। श्रीलेखा, जिन्हें नजरअंदाज किए जाने के बाद मंच से जाना पड़ा– यह एक दुखद नजारा था – वह अकेली बीजेपी नेता नहीं थीं जिनका अपमान हुआ। प्रधानमंत्री, जिन्होंने मंच पर भाजपा नेताओं का अभिवादन किया, उन्होंने पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन को नजरअंदाज कर दिया। एक और भाजपा नेता जिनका अपमान हुआ, वह थीं पद्मजा वेणुगोपाल, जो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई थीं। यह बताया जा सकता है कि सुरेंद्रन केरल में मौजूदा भाजपा नेतृत्व की नजर में नहीं हैं। चर्चा है कि राजेश को इसलिए नजरअंदाज किया गया क्योंकि वह श्रीलेखा को पछाड़कर मेयर बनने में कामयाब हो गए, जो इस पद के लिए राजीव की उम्मीदवार थीं। आखिर में, प्रधानमंत्री उनकी किसी भी बड़ी मांग को माने बिना ही चले गए। राज्य में उन्होंने बस एक रोड शो में हिस्सा लिया और एक घंटे का भाषण दिया। अच्छी बात यह रही कि पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड स्कीम लॉन्च की गई। मोदी ने कहा कि यह पूरे देश की पहल है जो केरल से शुरू हुई है, जिससे देश भर के स्ट्रीट वेंडर्स और हॉकरों को फायदा होगा। उन्होंने दावा किया कि केरल में एक नए सीएसआईआर इनोवेशन हब का उद्घाटन और मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रेडियो सर्जरी सेंटर की शुरुआत से राज्य साइंस, इनोवेशन और हेल्थ केयर के हब के तौर पर स्थापित होगा। प्रधानमंत्री ने चार ट्रेनों को हरी झंडी भी दिखाईरू तिरुवनंतपुरम–तांबरम अमृत भारत एक्सप्रेस, नागरकोइल–मंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस, तिरुवनंतपुरम–चारलप्पल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस और त्रिशूर–गुरुवायूर पैसेंजर ट्रेन।

गृहकर दाखिल खारिज शुल्क पांच गुना तक कम हाने का फायदा अप्रैल से मिलेगा

लखनऊ, (संवाददाता)। गृहकर दाखिल खारिज शुल्क पांच गुना तक कम होने का फायदा भवनस्वामियों को एक अप्रैल से मिलने लगेगा। आपत्ति सुझाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दाखिल खारिज की नई नियमावली के प्रकाशन की मंजूरी मंगलवार को नगर निगम सदन ने दे दी। ऐसे में प्रकाशन की कार्यवाही पूरे दो महीने में पूरी हो जाएगी। करीब पांच महीने पहले नगर निगम सदन और कार्यकारिणी ने गृहकर दाखिल खारिज शुल्क में कमी की थी। नई दरों को लागू करने के लिए चार दिसंबर को सार्वजनिक सूचना जारी कर आपत्ति सुझाव मांगे गए थे। इसके लिए 15 दिन का मौका दिया गया था। पूरी अवधि में एक ही आपत्ति आई थी, जिसका निस्तारण समिति ने कर दिया। ऐसे में अब दरों के प्रकाशन की मंजूरी मंगलवार को नगर निगम सदन ने दे दी। नगर निगम अभी पारिवारिक संपत्ति के नामांतरण पर तय 5000 रुपये फीस लेता है। यह फीस ईडब्ल्यूएस मकान से लेकर बड़े मकान वालों तक के लिए समान है। इस पर लोग आपत्ति कर रहे थे। उसके बाद शासन ने इसे कम किया, जिसके बाद नगर निगम सदन ने भी शुल्क कम कर दिया। इसी तरह बैनामे के आधार पर खरीदी जाने वाले संपत्तियों का भी दाखिल खारिज शुल्क और कम किया गया है। पहले यह एक प्रतिशत था। शासन की नई नियमावली जारी होने के बाद इसे और कम किया गया। नगर निगम सदन में यह मामला उठा कि कुछ बाहरी लोगों को टैक्स इंस्पेक्टर पद पर रखा गया है, जो भवनस्वामियों के पास जाकर उगाही और अभद्रता करते हैं। अफसरों ने बताया कि वसूली बढ़ाने को लेकर नगर निगम ने हर वार्ड में सिर्फ एक ही कर्मचारी जेम पोर्टल के जरिये रखा है। महापौर ने कहा कि भवनस्वामी टैक्स वसूली के लिए आने वालों का पहचान पत्र जरूर देखें। नगर निगम सदन की कार्यवाही शुरू होते हुए सपा पार्षद यावर हुसैन रेशू और ममता चौधरी ने कहा कि यह पुनरीक्षित बजट सदन की बैठक के बजाय सामान्य सदन की बैठक बुलाना सही नहीं है। पहले पुनरीक्षित बजट की बैठक बुलाई जानी चाहिए थी। इस पर महापौर ने कहा कि उन्होंने तो नगर निगम को पत्र लिखकर पुनरीक्षित बजट सदन और सामान्य सदन की बैठक एक साथ बुलाने के लिए कहा था, मगर अधिकारियों ने कहा कि एक साथ बैठक नहीं हो सकती। इस पर रेशू ने कहा कि इस तरह तो नई परंपरा शुरू कर दी गई है, क्योंकि पिछली बार भी ऐसा ही किया गया था। पेयजल पर चर्चा के दौरान महात्मा गांधी जियामऊ वार्ड के भाजपा पार्षद अमित चौधरी का सदन में महापौर से बहस हो गई। बहस के बीच रोते हुए अमित सदन से बाहर चले गए। हालांकि, कई पार्षदों ने उनहें रोकने की कोशिश की, मगर वह नहीं माने। उन्होंने कहा कि वह दलित हैं, इसलिए उनकी उपेक्षा की जा रही है। कांग्रेस पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने चौक चौराहे के दोहरे नामकरण पर सवाल किया। उन्होंने भाजपा पर पूर्व राज्यपाल स्व. लालजी टंडन का अपमान करने का आरोप लगाया। भाजपा पार्षद रंजीत सिंह व दूसरे पार्षदों ने विरोध किया। हंगामा इस कदर बढ़ा कि हाथापाई की नौबत आ गई। इस बीच महापौर ने 30 मिनट तक सदन स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर फिर इसी मुद्दे पर हंगामा शुरू हो गया। हालांकि, महापौर ने कहा कि दो अलग–अलग चौराहों के नामकरण किए गए हैं। अभियंत्रण विभाग की रिपोर्ट भी सदन में पढ़ी गई। पार्षद रंजीत सिंह ने कहा कि अपर नगर आयुक्त ललित कुमार पर लगे आरोपों की जांच निम्नस्तरीय अधिकारी कर रहे हैं। उन्होंने जांच उच्च अधिकारी से कराकर रिपोर्ट शासन को भेजने की मांग की।

सिंधी उत्सव में भाषा, संस्कृति और खानपान का संगम

लखनऊ, (संवाददाता)। गणतंत्र दिवस पर सिंधी समाज की ओर से आयोजित उत्सव में सिंधी भाषा, संस्कृति और खानपान का संगम दिखा। ध्वजारोहण से शुरुआत हुई। हजरतगंज में अयोजित कार्यक्रम में लगे स्टॉलों पर सिंधी कढ़ी–चावल,

दाल, डोडा चटनी, सिंवई और आलू, कोकी, सिंधी पापड़, सिंधी पकौड़ी समेत अन्य पकवान केवल पांच रुपये में उपलब्ध कराए गए। पारंपरिक परिधानों में सजे समाज के लोगों ने सांस्कृतिक आयोजनों से मन मोह लिया। सिंधी स्कूलों के बच्चों ने देशभक्ति के गीत गाए। ढोल–नगाड़ों पर भंगड़ा ने रंग जमाया तो अलवर राजस्थान की सिंधी शहनाई भी गूंजी। चेट्टी चंद मेला कमेटी के प्रवक्ता अशोक मोतियानी और अध्यक्ष रतन मेघानी ने बताया कि आयोजन का मकसद युवा पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ना और जागरूक करना है। महामंत्री संजय जसवानी, श्याम कृषनानी, कोषाध्यक्ष सतेंद्र भवनानी, जेपी नागपाल, राम बालानी और कृष्णचंद बमबानी के अलावा लखनऊ की सिंधी पंचायतों के मुखी भी मौजूद रहे। सभी को शपथ दिलाई गई कि पूरा सिंधी समाज घर पर सिंधी बोली में ही बात करेगा और घर–प्रतिष्ठानों समेत निजी वाहनों पर भी भगवान झूलेलाल की तस्वीर जरूर लगाएगा। हरिओम मंदिर, चेट्टी चंद मेला कमेटी और सिंधी अकादमी के संयोजन में हुए आयोजन में सभी ने सिंधी में ही एक–दूसरे से बात की। साईं हरीश लाल, जेपी नागपाल, राम बालानी, किशन चंद भम्बानी, सुरेश छबलानी, श्याम किशनानी, मनोज बचानी, मुरलीधर आहूजा, नानक चंद लखमानी, हंसराज राजपाल, गुलाब जसवानी, सतीश लखमानी, राजू जसवानी आदि मौजूद रहे। बेस्ट सिंधी वेशभूषा का प्रथम पुरस्कार राजाराम भागवानी को मिला। द्वितीय पुरस्कार हंसराज राजपाल और तृतीय कियारा रमानी को दिया गया। कुकिंग में स्नेहा पमनानी प्रथम, प्रेमा साहित्या द्वितीय व कामना केसवानी तृतीय रहीं। उत्कृष्ट कार्य के लिए सिंधु सभा के अध्यक्ष अशोक मोतियानी, अनिल बजाज, जेपी नागपाल, श्याम कृषनानी, नानक चंद लखमानी, मुरलीधर आहूजा, मोहनदास दास लदानी, राम बालानी किशन चंद बमबानी को सम्मानित किया गया।

जोखिम लेने से न घबराएं युवा : राज्यपाल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृति विभाग की ओर से सोमवार को जनभवन में आयोजित अलंकरण समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उत्तर प्रदेश की कला, संस्कृति, साहित्य, नाट्य, खेल और बौद्ध व जैन दर्शन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मान भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत भी हैं। राज्यपाल ने युवाओं से आह्वान किया करते हुए कहा कि वे निर्भीक होकर आगे बढ़ें। जोखिम लेने से न घबराएं, क्योंकि साहस ही नवाचार की पहली सीढ़ी है। उत्तर प्रदेश न्यू इंडिया के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कला, संस्कृति एवं रचनात्मकता के विविध क्षेत्रों को निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कार्यक्रम में गुजरात के कलाकारों ने पारंपरिक लोकनृत्य की प्रस्तुति दी। अवसर पर विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, अपर मुख्य सचिव पर्यटन व संस्कृति अमृत अभिजात मौजूद रहे। राज्य ललित कला अकादमी की ओर से चित्रकला के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए नलिनी कुमार मिश्रा को बाबा योगेंद्र कला सम्मान (राष्ट्रीय), डॉ. साधना सिंह और सतेंद्र सिंह को बाबा योगेंद्र कला सम्मान (राज्यस्तरीय)। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान की ओर से प्रो. प्रद्युम्न दुबे को पालि साहित्य संवर्धन सम्मान और डॉ. वेन भदन्त राहुल बोधि व प्रो. सिद्धार्थ सिंह को बौद्ध संस्कृति संवर्धन सम्मान। उप्र जैन विद्या शोध संस्थान की ओर से जैन दर्शन के क्षेत्र में योगदान के लिए डॉ. सुनील कुमार जैन 'संचय' को जैन संस्कृति संवर्धन पुरस्कार। भारतेंदु नाट्य अकादमी की ओर से रंगमंच में उल्लेखनीय योगदान के लिए मुस्कान गोस्वामी (नाट्य निर्देशन), देवाशीष मिश्र (अभिकल्पना), प्रो. (डॉ.) आनंद वर्धन शर्मा (अभिनय) और राकेश श्रीवास्तव (अभिनय) को भारतेंदु हरिश्चंद्र सम्मान। उप्र. संगीत नाटक अकादमी की ओर से रामचंद्र भागवत को वायलिन वादन के लिए तथा अनूप कुमार अरोड़ा को नाट्य अभिनय के क्षेत्र में आचार्य भरतमुनि सम्मान। उप्र. लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान की ओर से लोक नाट्य नौटंकी के क्षेत्र में विजय बहादुर श्रीवास्तव को बाबा पागल दास सम्मान, जनजातीय नृत्य के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विनोद कुमार गोंड को बिरसा मुंडा सम्मान।

संक्षिप्त खबरें

विधायक राजेश्वर सिंह की तिरंगा यात्रा में उमड़ा सैलाब

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हजारों बाइक और कार पर लहराते राष्ट्रीय ध्वज, देशभक्ति गीतों पर थिरकते युवा जोश बढ़ा रहे थे। छठ पूजा स्थल, सैनिक स्कूल ग्राउंड, नवीन गौरी से शुरू होकर यात्रा कानपुर रोड, स्कूटर इंडिया चौराहे से होकर एयरपोर्ट तक विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में पहुंची। उन्होंने कहा कि आज हम जिस अमन, शांति और सुरक्षित वातावरण में सांस ले रहे हैं वह हमारी सेना के शौर्य और बलिदान का परिणाम है। यह तिरंगा यूं ही नहीं लहराता, इसके पीछे असंख्य बलिदानों की कहानी है। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा से हजारों युवाओं ने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

ट्रॉमा सेंटर के सामने बनेगा सात मंजिला नया ओपीडी भवन

लखनऊ, (संवाददाता)। केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर के सामने नया ओपीडी कॉन्प्लेक्स बनेगा। सात मंजिला भवन में सभी विभागों की ओपीडी चलेगी। यह भवन संस्कृत पाठशाला की जमीन पर बनेगा। इसका ले आउट तैयार हो गया है। शासन से मंजूरी मिलते ही निर्माण शुरू हो जाएगा। केजीएमयू की ओपीडी में हर दिन करीब सात से आठ हजार मरीज आ रहे हैं। संस्थान की ओपीडी अभी कई स्थानों पर संचालित हो रही है। इसमें नए ओपीडी ब्लॉक, कॉर्डियोलॉजी, गायनी, मानसिक, रेस्पिरेटरी मेडिसिन, आर्थोपैडिक्स, गठिया समेत दूसरे विभागों की ओपीडी का संचालन अलग–अलग भवनों में हो रहा है। मरीजों की भीड़ के मुकाबले ओपीडी का नया भवन नाकाफी साबित हो रहा है। इस कारण केजीएमयू प्रशासन ने नया ओपीडी भवन बनाने का फैसला लिया है। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने बताया कि राजकीय बालिका इंटर कॉलेज व संस्कृत पाठशाला की 4.8 एकड़ भूमि सरकार ने केजीएमयू को मुफ्त मुहैया कराई है। इस पर केजीएमयू को विस्तार दिया जाएगा। सात मंजिला भवन में हर डॉक्टर के कक्ष के आगे 200 से अधिक मरीज एक साथ बैठ सकेंगे। वेटिंग एरिया से लेकर कैंटीन तक की उचित व्यवस्था होगी। पार्किंग की उचित व्यवस्था होगी। कुलपति ने बताया कि नए भवन के लेआउट को शासन से मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

टप्पेबाजों ने वृद्धा के चार लाख के जेवर किए पार

लखनऊ, (संवाददाता)। महानगर में दो टप्पेबाजों ने रुपये का लालच देकर 75 वर्षीय उर्मिला गुप्ता के चार लाख के जेवर ले लिए। पीड़िता ने महानगर थाने में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। निशातगंज निवासी उर्मिला के मुताबिक 21 जनवरी को दोपहर तीन बजे वह गोल चौराहा स्थित आर्चीज गैलरी शोरूम खरीदारी करने गई थीं। वहां उन्हें दो युवकों ने गहनों की कीमत से अधिक रुपये देने का झांसा दिया। इस पर उन्होंने सोने के बाले, मंगलसूत्र, अंगूठी व नाक की कील टप्पेबाजों को दे दी। जेवरों की कीमत चार लाख रुपये थी। टप्पेबाज ने अखबार में लिपटा हुए एक बंडल देकर चले गए। उन्होंने घर पहुंचकर बंडल खोला तो उसमें नोट के साइज के सिर्फ कागज निकले। इंस्पेक्टर अखिलेश मिश्र के मुताबिक शोरूम में लगे सीसीटीवी फुटेज में आरोपी दिखे हैं। इनकी तलाश के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गई हैं।

अस्पताल की छत पर मरणासन्न हालत में मिला केयरटेकर, ट्रॉमा सेंटर ले जाते समय मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। जानकीपुरम गार्डन स्थित मिशन अस्पताल की छत पर केयरटेकर शिवकुमार (35) मरणासन्न हालत में पड़ा मिला। अस्पताल कर्मचारियों ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर जानकीपुरम विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि शिवकुमार मूल रूप से सीतापुर जिले के युवराजपुर के रहने वाले थे। वह अस्पताल परिसर में बने सर्वेंट क्वार्टर में ही रहते थे। अस्पताल के संचालक नरेंद्र कुमार के अनुसार, सोमवार सुबह करीब आठ बजे अस्पताल की स्वीपर सफाई के लिए छत पर गई थी। उसी ने उन्हें मरणासन्न हालत में पड़ा देखा। पोस्टमॉर्टम के दौरान शिवकुमार के साढू अभिषेक मौके पर पहुंचे, जिन्होंने फिलहाल किसी तरह का आरोप नहीं लगाया है। शिवकुमार अपने पीछे पत्नी प्रिया, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है।

ग्रामोफोन आर्ट फेस्टिवल में मिलेगा कला व कौशल को निखारने का मौका

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित संगीत नाटक अकादमी परिसर में एक फरवरी को ऊषा महेश फाउंडेशन की ओर से ग्रामोफोन आर्ट फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इसमें कला व कौशल को निखारने का अवसर दिया जाएगा। गोमतीनगर के विकास खंड स्थित पारूप ग्रामोफोन में मंगलवार को कार्यक्रम संयोजक पारूल शर्मा ने प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहाकि हर व्यक्ति के अंदर कला होती है। सिर्फ उसे तराशने की देर होती है और यही ग्रामोफोन आर्ट फेस्टिवल का मंतव्य है। कलम दवात आयोज में लेखनी को मंच मिलेगा, कलाशिल्प कौशल, बेकार वस्तुओं का सही इस्तेमाल, रीसाइक्लिंग पर जोर, पुराने खोते जा रहे व्यंजनों को फिर से चखा जाएगा।

झंडारोहण के साथ निकलीं प्रभातफेरियां, स्कूलों में गूंजे देशभक्तिके गीत

लखनऊ, (संवाददाता)। जिले के ग्रामीण इलाकों में भी सोमवार को गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। विद्यालयों में ध्वजारोहण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान बच्चों ने गीत व नृत्य पेश कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। पारा के मोहान रोड स्थित खुशहाल गंज में सोमवार को पीएम श्री बेसिक विद्यालय में ग्राम प्रधान खुशहाल गंज नबी हसन ने झंडा फहराया। इस दौरान देशभक्ति के नारों से विद्यालय परिसर गूंज उठा। प्रधानाध्यापिका अंजलि सक्सेना ने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं मोहान रोड स्थित ग्राम पंचायत शिवरी गांव में गणतंत्र दिवस के मौके पर शॉल व कंबल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय जनहित महासभा के प्रदेश अध्यक्ष विनोद मौर्या और विशिष्ट अतिथि सलाहकार समिति, संचार मंत्रालय भारत सरकार के संजीव मिश्रा उपस्थित रहे। काकोरी थाने में एसीपी शकील अहमद ने इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर की मौजूदगी में तिरंगा फहराया गया। दुबग्गा और पारा थानों में भी गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम हुए। पारा के हंस नगर स्थित यूरो किड्स प्लेग्रुप स्कूल में तिरंगा फहराने के बाद नन्हे–मुन्ने बच्चों ने देशभक्ति से ओत–प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि असिस्टेंट कमांडेंट सीआरपीएफ मनु तिवारी कौशिक मौजूद रहीं। प्राथमिक विद्यालय बहादुरपुर में देशभक्ति गीतों से सभी का मन मोह लिया। गणतंत्र दिवस पर भारतीय जन उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश संयोजक एसडी सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र प्रताप सिंह ने झंडा फहराया। राष्ट्रगान के बाद तिरंगे को सलामी दी गई। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री सुशील सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विवेक शुक्ला, पंकज दीक्षित, विनोद सिंह आदि उपस्थित रहे। निगोहां क्षेत्र के जगदीश प्रसाद मेमोरियल इंटर कॉलेज, बेसिक विद्यालय अधैया, संत फ्रांसिस इंटर कॉलेज, एसबीएन इंटर कॉलेज, बाबू सुंदर सिंह इंजीनियरिंग कॉलेज, टोल प्लाजा सहित अन्य प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में गणतंत्र दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। जगदीश प्रसाद इंटर कालेज, बेसिक विद्यालय अधैया, संत फ्रांसिस इंटर कॉलेजों में छात्र–छात्राओं ने परेड निकाली। कार्यक्रम में बच्चों ने देशभक्ति के गीत सुनाए। कॉलेज के प्रधानाचार्य विजयचंद्र तिवारी, विजय क्रिस्ता आदि मौजूद रहे। वहीं एसबीएन इंटर कॉलेज में छात्राओं ने मनमोहक रंगोली बनाई और नाट्य प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोहा। कॉलेज के प्रबंधक अमरेंद्र यादव शिक्षक व छात्र मौजूद रहे। निगोहां गांव स्थित मदरसा आलिया इस्लामिया गौसिया में व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र दीक्षित व मौलाना कलीम रजा ने ध्वज फहराया। इस दौरान कमेटी के सदर लल्लू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। नगराम क्षेत्र में परिषदीय विद्यालयों, इंटर कॉलेजों, थाना भवनों व सहकारी संस्थाओं में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने प्रभात फेरी निकालकर भारत माता की जय के नारे लगाए। जवाहरलाल इंटर कॉलेज बहरौली में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राथमिक विद्यालय सिरौना में प्रधानाध्यापिका संजू वर्मा ने ध्वजारोहण किया। इसके अलावा हंसवा, हुसैनाबाद, अनैया खरगापुर, हरदोईया, गुमानी खेड़ा, मितौली आदमपुर, अकरहदू, शेख अहमदपुर रहमतनगर एवं इचवलिया सहित अन्य विद्यालयों में भी तिरंगा फहराया गया। सहायता प्राप्त जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा ने झंडा फहराकर तिरंगे को सलामी दी। इसके अतिरिक्त राजनारायण जायसवाल इंटर कॉलेज नगराम, शिवनंदन इंटर कॉलेज छतौनी, सीपीएल इंटर कॉलेज लक्ष्मणपुर एवं पंचशील इंटर कॉलेज अनैया खरगापुर में भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

2500 करोड़ का लेनदेन प्रभावित, 905 बैंक शाखाओं में नहीं हुआ काम

लखनऊ, (संवाददाता)। पांच दिवसीय बैंकिंग की मांग के लिए यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर हुई राष्ट्रव्यापी हड़ताल के चलते जिले के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की 905 शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहा। इसके चलते मंगलवार को करीब 2500 करोड़ रुपये की क्लीयरिंग नहीं हो सकी। मांगों के समर्थन में विभिन्न बैंकों के कर्मचारी कामकाज ठप कर हजरतगंज स्थित इंडियन बैंक शाखा पर एकत्र हुए। यहां नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। मौके पर हुई सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश संयोजक वाईके अरोड़ा ने कहा कि बैंककर्मी महीने में दूसरे और तीसरे शनिवार अवकाश की मांग कर रहे हैं। इसके बदले प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त कार्य करने के लिए भी तैयार हैं। एनसीबीई के महामंत्री डीके सिंह ने कहा कि जब रिजर्व

बैंक, एलआईसी, सेबी, नाबार्ड और कई सरकारी संस्थानों में पांच कार्य दिवस लागू हैं तो बैंकों में यह व्यवस्था क्यों नहीं हो सकती। उन्होंने इसे बैंककर्मियों के साथ भेदभाव बताया। जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने कहा कि लंबे समय से आंदोलन, रैली और सोशल मीडिया अभियान चलाने के बावजूद केंद्र सरकार मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं ले रही है। वक्ताओं ने कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग कोई भीख नहीं बल्कि बैंककर्मियों का अधिकार है। इसके लिए लंबी लड़ाई भी लड़ी जाएगी। सभा को लक्ष्मण सिंह, शकील अहमद, संदीप सिंह, वीके माथुर, बीडी पांडे, एसडी मिश्रा, विभाकर कुशवाहा, आनंद सिंह, विशाखा वर्मा और स्वाति सिंह ने भी संबोधित किया। संगठन के मीडिया प्रभारी अनिल तिवारी ने दावा किया कि मंगलवार को जिले में बैंकों के 16 हजार कर्मचारी हड़ताल पर थे।

प्रतिभा सिंह बघेल ने बिखेरा गायन का जादू

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी दिवस के दौरान राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शानदार शृंखला देखने को मिली। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं प्रतिभा सिंह बघेल, जिनके भजन और सुगम संगीत पर श्रोता झूमते नजर आए। इसके बाद अमलेश कुमार शुक्ला (वाराणसी) के लोक गायन, शुगम सिंह शेखावत के लोक नृत्य और अजीत पांडेय के लोक गायन ने माहौल को जीवंत कर दिया। लखनऊ से अजय कुमार पांडेय, मथुरा से सुधा पाल और कौशांबी से छेदी लाल की प्रस्तुतियों को भी खूब सराहा गया। रायबरेली के शिव कुमार की गायन प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिल्ली से आए देवेंद्र एस मंगलामुखी की कथक प्रस्तुति ने शास्त्रीय रंग घोला। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के विभिन्न घरानों की सामूहिक गायन और नृत्य प्रस्तुतियों ने प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता की सुंदर झलक पेश की। दर्शकों की भारी मौजूदगी और तालियों की गूंज के बीच यह सांस्कृतिक संध्या यादगार बन गई। पतंगबाजी प्रतियोगिता में नवाब काइट क्लब लखनऊ ने मारी बाजी यूपी दिवस के अवसर पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल का आसमान रंग–बिरंगी पतंगों से भर गया। पतंग प्रतियोगिता में प्रदेश भर के पतंगबाजों ने हुनर दिखाया। रोमांचक मुकाबले के बाद नवाब काइट क्लब लखनऊ ने प्रथम स्थान हासिल किया। उन्हें 51 हजार रुपये का इनाम मिला। पतंगों के कटने पर ये–काटा, वो..काटा से प्रेरणा स्थल गूंजता रहा। दूसरे स्थान पर आए लखनऊ के ही इंटरनेशनल काइट क्लब को 31,000 रुपये का इनाम मिला। तीसरे स्थान पर आए बरेली के हिंदुस्तान काइट क्लब को 21,000 रुपये मिले। अंकित काइट क्लब लखनऊ को चौथा स्थान मिलने पर 11,000 रुपये से पुरस्कृत किया गया। मैन ऑफ द सीरीज का खिताब तारीखन को मिला। उन्हें 11,000 रुपये का पुरस्कार मिला।

यूजीसी एक्ट 2026 के खिलाफ करणी सेना का अर्धनग्न प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) एक्ट 2026 के विरोध में श्री राजपूत करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को हंगामा किया। नाराज प्रदर्शनकारियों ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया और परिवर्तन चौक पर घूम–घूम कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर यूजीसी एक्ट 2026 को काला कानून बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। मांग पूरी न होने पर देशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी। श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू की अगुवाई में परिवर्तन चौक पर एकत्र कार्यकर्ताओं ने हाथों में मशाल लेकर विधान भवन की ओर कूच कर दिया। पुलिस ने उन्हें केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोका तो नाराज कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पर चढ़कर नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस के समझाने पर प्रदर्शनकारी वापस लौटे और अर्धनग्न होकर नारेबाजी करने लगे। परिवर्तन चौक पर घूम–घूम कर आक्रोश जताते रहे। दुर्गेश सिंह दीपू ने कहा कि यूजीसी का नया नियम सवर्णों के प्रति नकारात्मक सोच को दर्शाता है। यह कानून वापस नहीं हुआ तो वर्ष 2027 में इसका जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर हमारे समाज से नफरत है तो हमारी जमीनों को वापस कर हमारे लिए अलग देश बना दें। संगठन के प्रदेश महासचिव ठाकुर रणविजय सिंह ने कहा कि नए नियम में सिर्फ एक वर्ग को सुरक्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र को राजनीति और जातिगत द्वेष से मुक्त रखा जाए। इस मौके पर मुख्य रूप से वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनीत सिंह, अधिवक्ता सभा के जिलाध्यक्ष अवधेश सिंह सूयवंशी, महामंत्री अविनाश सिंह, ठाकुर राजेंद्र सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।जनपद को कृमि मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग और शिक्षा विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों/कर्मचारियों/अध्यापकों को कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में गुरुवार को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।इस मौके पर बताया गया कि यह कार्यक्रम अयोध्या जिले के दो ब्लॉक मया बाजार एवं तारुन को छोड़ कर शेष 9 ब्लॉकों एवं शहरी क्षेत्र में अल्बेंडोजोल की दवा खिलाई जाएगी।उक्त द्वारा अपने ब्लॉक में एएनएम आशा आंगनवाड़ी और अध्यापकों का इस अभियान को सफलता पूर्वक चलाने हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अभियान और प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण उद्देश्य बच्चों, किशोर किशोरियों की आंतों में कृमि के

कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से सुरक्षित रखना और स्वस्थ बनाना है।इस अभियान के अन्तर्गत दिनांक 10 फरवरी 2026 एवम 13 फरवरी 2026 को सभी 1वर्ष से 19 वर्ष तक जनपद के सभी स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर अल्बेंडोजोल की गोलियां खिलाई जायेंगी।अल्बेंडोजोलधडिवार्मिंग से स्वास्थ्य को होने वाले फायदे जैसे , स्वास्थ्य व पोषण में सुधार, रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, एनीमिया पर नियंत्रण, समुदाय में कृमि संक्रमण की व्यापकता में कमी, सीखने की क्षमता और कक्षा में उपस्थिति में सुधार के साथ साथ परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा।इस अभियान के तहत 1से 2 वर्ष के बच्चों को एलबेंडाजोल की आधी टैबलेट एवम ऊपर के बच्चों को पूरी टेबलेट खिलाई जायेंगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेंद्र कुमार ने सभी जनपदवासियों से अपील की कि सभी जनपदवासी अपने बच्चों को निर्धारित दिवस पर एलबेंडोजोल की गोली जरूर खिलाएं।इस प्रशिक्षण में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पी के गुप्ता, डीएचईआईओ डी पी सिंह, आरकेएसके कोऑर्डिनेटर सतीश वर्मा एवं एनआई संस्था से आलोक द्विवेदी सभी ब्लॉकों से आए आर बीएसके मेडिकल ऑफिसर, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, बीसीपीएम, बाल विकास एवं पुष्टाहार सीडीपीओ शिक्षा विभाग से संबंधित अध्यापक उपस्थित थे।

’31 जनवरी को विशेष अभियान में बूथ लेवल एजेंटों की उपस्थिति अनिवार्य’

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

शाहजहांपुर, गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण–2026 के संबंध में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचन नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 31 जनवरी, शनिवार को एक विशेष अभियान आयोजित किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से आग्रह किया कि उक्त तिथि को अपने–अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की अनिवार्य रूप से उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान के दौरान दिनांक 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नए मतदाताओं तथा अन्य छूटे हुए पात्र मतदाताओं से फार्म–6 अवश्य भरवाए जाएं, ताकि कोई भी योग्य नागरिक

मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 06 फरवरी निर्धारित की गई है। साथ ही, वर्तमान में चल रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की प्रगति प्रतिदिन जनपद के डीईओ पोर्टल पर देखी जा सकती है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 06 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र हैं, जिनमें 2810 मतदेय स्थल तथा 1792 मतदान केंद्र स्थापित हैं। प्रकाशित आलेख्य (06 जनवरी 2026) के अनुसार जनपद में पुरुष मतदाताओं की संख्या 10,08,599, महिला मतदाता 8,02,921, तृतीय लिंग मतदाता 96 तथा कुल मतदाता 18,11,616 हैं। निर्वाचन प्रक्रिया के सफल संचालन हेतु 06 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 30 सहायक निर्वाचक अधिकारी, 2810 बीएलओ तथा 285 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) रजनीश कुमार मिश्र, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

'विद्यार्थियो को यातायात नियमों का पालन करने के सम्बन्ध में किया गया जागरूक'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासनध्प्रवर्तन ने बताया है कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत आज उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के छात्रों के मध्य ब्लाक स्तर पर कविता एवं भाषण तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। उक्त प्रतियोगिता में विजेता प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियो को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के समापन पर पुरस्कृत किया जायेगा। समस्त विद्यार्थियो को सड़क सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी प्रदान की गई तथा यातायात नियमों का पालन करने के सम्बन्ध में जागरूक किया गया तथा सडक सुरक्षा सम्बन्धी शपथ दिलाई गई तथा सड़क सुरक्षा सम्बन्धी बुकलेटध्पम्पलेट का वितरण किया गया। उक्त कार्यकम का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने हेतु आमजनमानस में जागरूकता पैदा करना है।

'प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो– जिलाधिकारी'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' गुरुवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई में कुल 82 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी

ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो। जन सुनवाई में प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये व पात्रों को योजनाओं का लाभ दिया जाये। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट भूमिका यादव व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

सादा जीवन, उच्च विचार के प्रतिमूर्ति थे रज्जू भैया : प्रो. राजाराम यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान द्वारा प्रो. राजेंद्र सिंह 'रज्जू भैया' की जन्म जयंती पर स्मृति व्याख्यान एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने कहा कि रज्जू भैया सरलता, सहजता और आत्मीयता के प्रतीक थे। उन्होंने रज्जू भैया के जीवन के संस्मरण साझा करते हुए बताया कि प्रयागराज विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष रहने के बाद 1966 में उन्होंने पद त्यागकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आजीवन प्रचारक के रूप में राष्ट्रसेवा को समर्पित कर दिया। 1994 में वे संघ के चौथे सरसंघचालक बने। प्रो. यादव ने बताया कि उनकी स्मृति में 2018 में इस संस्थान की स्थापना उनके प्रयासों से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की गई। मुख्य अतिथि आगरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. अरविंद दीक्षित ने कहा कि रज्जू भैया ने शिक्षक–विद्यार्थी संबंध को सरल और आत्मीय बनाए रखा। वे मितव्ययी थे और वेतन का अधिकांश भाग विद्यार्थियों की सहायता एवं सामाजिक कार्यों में लगाते थे। उनका जीवन शिक्षा और समाज के प्रति समर्पित रहा। विशिष्ट अतिथि सह–विभाग प्रचारक प्रेम प्रकाश ने कहा कि रज्जू भैया ने शिक्षण के साथ समाजसेवा को सर्वोपरि रखा तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय कुलसचिव केशलाल ने कहा कि ऐसे स्मृति व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। संस्थान निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. देवराज सिंह ने किया तथा संयोजन–संचालन डॉ. नितेश जायसवाल ने। कार्यक्रम में प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. राजकुमार, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. गिरधर मिश्र, प्रो. प्रमोद कुमार डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. शशिकांत, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ. रामांशु सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

अल्ट्रासोनिक तकनीक से उद्योग जगत को मिलेगा नया आयाम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो.राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल साइंसेज फॉर स्टडी एंड रिसर्च में भौतिक विज्ञान विषय के अंतर्गत शोधार्थी अनुराग सिंह की डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) उपाधि हेतु सार्वजनिक मौखिक परीक्षा सफलतापूर्वक गुरुवार को संपन्न हुई। इस अवसर पर अनुराग सिंह ने "औद्योगिक प्रयोजनों के लिए एडवांस मैटेरियल्स के यांत्रिक, ऊष्मीय एवं पराश्रव्य (अल्ट्रासोनिक) गुणधर्मों का अध्ययन" विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उनके शोध कार्य में उन्नत सामग्रियों की प्रत्यास्थता, तन्यता, कठोरता, ऊष्मीय चालकता तथा पराश्रव्य तरंगों की क्षीणता का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया, जिससे औद्योगिक उपयोग हेतु उपयुक्त सामग्रियों की पहचान संभव हो सके। मौखिक परीक्षा समिति में विषय विशेषज्ञ प्रो० (डॉ०) राजाराम यादव, पूर्व कुलपति वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं शोध निर्देशक प्रो० देवराज सिंह सहित संस्थान के प्राध्यापकगण और शोधार्थी उपस्थित रहे। शोध निर्देशक प्रो० देवराज सिंह ने बताया कि अनुराग सिंह अपने शोधकाल में अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में 15 शोध पत्र प्रकाशित कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। समिति ने उनके उत्कृष्ट शोध, गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन एवं वैज्ञानिक प्रस्तुतियों को ध्यान में रखते हुए अनुराग सिंह को पीएचडी (भौतिकी) उपाधि प्रदान करने की संस्तुति की।

बरही कार्यक्रम में शामिल होने गए जीजा साले के सड़क हादसे में मौत, ,एक गंभीर रूप से घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में रामपुर थाना क्षेत्र के यादवनगर नई बस्ती में बुधवार रात एक सड़क हादसे में जीजा–साले की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब वे एक बरही समारोह में शामिल होने आए थे। सिकरारा थाना क्षेत्र के पोखरियापुर निवासी संतोष गौतम पुत्र स्व पन्नालाल अपने साले गुड्डू

गौतम के साथ रामपुर थाना क्षेत्र के औरा गांव की नई बस्ती में स्थित राहुल गौतम के घर आए थे। राहुल गौतम के घर पुत्री के जन्म के उपलक्ष्य में बरही का आयोजन किया जा रहा था। कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए दोनों रात करीब पौने आठ बजे बाइक से पास के अरविंद गौतम के यहां बैटरी लेने गए थे। बैटरी लेकर लौटते समय संतोष और गुड्डू ने अपने साथ सिपाही गौतम(18) को भी ले लिया था। जैसे ही वे नेशनल हाईवे 135 ए पर चढ़े, जौनपुर से भदोही की ओर जा रही एक अज्ञात तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संतोष गौतम और गुड्डू गौतम की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि सिपाही गौतम गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भिजवाया। घायल सिपाही गौतम को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वही इस मामले में गुरुवार को जानकारी लेने पर थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। अज्ञात वाहन की तलाश जारी है।

संक्षिप्त खबरें

सत्ता के विरूद्ध सच बोलने का प्रतीक था हिक्की गजटः डॉ. सुनील

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आज के ही के दिन 1780 में भारत का प्रथम समाचार पत्र शहिक्की बंगाल गजटश का प्रकाशन शुरू हुआ था। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि जेम्स ऑगस्टस हिक्की द्वारा शुरू किया गया यह पत्र एशिया का पहला मुद्रित समाचार पत्र था हिक्की बंगाल गजट ने न केवल खबरें दीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का माध्यम भी बना। बाजार भाव, शादियां और राजनीतिक विश्लेषण से भरपूर यह पत्र सत्ता के विरुद्ध सत्य बोलने का प्रतीक था। यह बात दीगर है कि दो साल में अखबार बंद हो गया। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे वर्तमान पत्रकारिता के दौर में हिक्की के साहस से प्रेरणा लें। डॉ जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर दिग्विजय सिंह राठौर ने संगोष्ठी कहा कि हिक्की गजट ने ईस्ट इंडिया कंपनी के भ्रष्टाचार के विरुद्ध साहसी पत्रकारिता की मिसाल कायम की। षहिक्की का नारा श्सभी के लिए खुला, लेकिन किसी से प्रभावित नहींश आज भी प्रेस स्वतंत्रता का मूलमंत्र है।ष उन्होंने कहा कि दो पेज के अखबार की ताकत इतनी थी कि ब्रिटिश हुकूमत उससे भयभीत हो गई। जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. चंदन सिंह ने कहा कि हिक्की ने गवर्नर वारेन हेस्टिंग्स के कुशासन पर कटाक्ष भरे लेख लिखे, जिसके कारण उन्हें जेल और आर्थिक संकट झेलना पड़ा। फिर भी, मात्र दो वर्ष चले इस पत्र ने भारतीय पत्रकारिता की नींव रखी। उन्होंने आधुनिक डिजिटल युग में फेक न्यूज के संदर्भ में हिक्की की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। विभाग के टेक्निकल विशेषज्ञ आनंद सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन छात्र सुमित सिंह ने कुशलतापूर्वक किया, जिन्होंने सभी वक्ताओं के विचारों को प्रभावी ढंग से श्रोताओं तक पहुंचाया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन छात्र दिव्याशु सिंह ने किया, जिन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं, छात्रों एवं स्टाफ सदस्यों को धन्यवाद दिया। संगोष्ठी में विभाग के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।

अयोध्या को प्लास्टिक कचरा मुक्त बनाने की नई शुरुआत – त्रिपाठी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में अयोध्या नगर निगम ने अनूठी पहल की है।इसके तहत कृष्णा नगर वार्ड में बर्तन भंडार का महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने चिंतन इन्वायरमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप, एसवीआई फाउंडेशन, एसबीआई कंजर्व के सहयोग से समारोह पूर्वक किया।उन्होंने स्वयं सहायता समूह को बर्तन भंडार सौंपा।इसका एकल उपयोग सामुदायिक आयोजनों में प्लास्टिक के विकल्प के रूप में किया जा सकेगा। इसके साथ श्वेस्ट नो मोर इन अयोध्याश अभियान के तहत डस्टबिन वितरण भी किया गया।महापौर ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बर्तन भंडार के उपयोग, रखरखाव तथा इसके व्यापक उद्देश्य पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल प्लास्टिक मुक्त अयोध्या के लक्ष्य को मजबूती देगी, बल्कि नागरिकों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम भी बनेगी। इस दौरान महापौर ने उपस्थित नागरिकों से गीला कचरा हरे डस्टबिन एवं सूखा कचरा नीले डस्टबिन में डालने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि इससे अयोध्या की कचरा प्रबंधन प्रणाली को वैज्ञानिक और प्रभावी बनाया जा सकेगा।

स्व रमेश चंद यादव पूर्व जिला पंचायत सदस्य की श्रद्धांजलि सभा में मिठाई लाल भारती समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूरे दलबल के साथ पहुंचे

दैनिक देश की उपासना संवाददाता

जौनपुररू दिनांक 29 1 2026 को ग्राम पल्टूपुर में स्वर्गीय रमेश चंद यादव भूतपूर्व चीफ पेटी ऑफिसर एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य को श्रद्धांजलि देने के लिए पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राज बहादुर यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष अवध नाथ पाल , जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य, ब्लाक प्रमुख मडियाहू अभिमन्यु यादव, श्यामजी यादव प्रधान पहसना, पूर्व प्रधान पल्टूपुर मनोज यादव, पल्टूपुर प्रधान रुप चन्द्र यादव, विधानसभा महासचिव मछली शहर अखिलेश यादव, इन्स्पेक्टर जगदीश चन्द्र यादव, रंजीत यादव,गुलाब चंद यादव अध्यापक, अच्छे लाल यादव अध्यापक, लाल चन्द पाल सपा महासचिव भदोही एवं काफी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित रहे

विपक्ष का काम इस देश में सिर्फ सियासत करना है ये लोग किसी के मौत पर भी राजनीती हो सकती है ये बहुत दुखद : दया शंकर मिश्र दयालु

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में गुरुवार को पहुचे उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्रा दयालु ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि प्रयागराज में जो घटना हुई है उस घटना से सबको पीड़ा पहुची है और सबके संज्ञान में ये मामला है और शंकराचार्य को स्नान करना चाहिए था। वरिष्ठ नेताओ ने कहा था भी ,स्नान के लिए केशव मौर्या ने भी उनसे स्नान के लिए कहा था। यूजीसी को लेकर कोर्ट ने संज्ञान में लेकर रोक लगा दी है। इस पर कुछ कहना ठीक नही होगा। कोर्ट जो निर्णय लेगी वो सर्वमान्य होगा। हम लोग कोर्ट के फैसले के साथ है। अखिलेश यादव के एसाआईआर के बयॉन पर कहा कि एसाआईआर निर्वाचन की ऐसी प्रक्रिया है 2003 में ये कानून हुआ था। 2003 में वोटर लिस्ट का आधार बना कर फिर से वोटर लिस्ट को शुद्ध करना समय की जरूरत होती है न जाने ऐसे कितने नाम पड़े थे आप लोगो ने देखा था कि कितने बड़ी संख्या में मृतको के नाम हटाए गये।शिफ्टिंग किये गये नाम जो कही पर नौकरी के लिए कही पर और चले जाते है। लड़की शादी करके अपने सुसराल चली जाती है और उनके नाम पड़े रहते थे। हमको लगता है पारदर्शिता व वोटर लिस्ट की शुद्धता और समाज की भलाई के लिए ये काम है और निर्वाचान आयोग का ये काम है और पुरे समाज ने अच्छे मन से साथ दिया। और लिस्ट आ गयी है जो भी कमिया है उसको दूर करने के लिए काम किया जा रहा है। प्लेन क्रेस मामले पर ममता बनर्जी और अखिलेश

यादव के द्वारा जांच की माग पर उन्होंने कहा विपक्ष का काम है इस देश में सिर्फ सियासत करना है वो लोग किसी के मौत पर भी राजनीती हो सकती है ये बहुत दुखद है और मौत न जाने कितने लोगो की मौत हुई है। प्लेन क्रेश में दर्जनों बड़े नामो की मौत हुई है अभी तक आप ऐसे नही कह सकते है दुर्घटना हुई है ये अपूर्ण क्षति हुई है। अजीत पवार की मौत हुई जो दुखद है उनके परिवार को सांत्वना देने के बावजूद लोग उनके घाव पर नमक छिडक कर और दर्द बढाने का काम कर रहे है। ये दुखद और निंदनीय है। शंकराचार्य ने सीएम बदलने की बात पर उन्होंने कहा कि एक संत को राजनीती में एसी बात नहीं करनी चाहिए थी।

ट्रैक्टर चालक की हत्या में दो को उम्रकैद

उन्नाव, (संवाददाता)। हत्या के करीब 22 साल पुराने मामले में न्यायाधीश ममता सिंह ने दो दोषियों भूरे और सरवन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों पर 1.33 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इस मामले में नामजद दो अन्य आरोपी मुकदमे के दौरान ही मौत का शिकार हो चुके हैं। सोहरामऊ थाना क्षेत्र के बरहा गांव के रहने वाले बृजेंद्र सिंह लखनऊ के हरिनाम सिंह का ट्रैक्टर चलाते थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com
समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।